जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोन:- 2418945 फैक्स:- 0294-2410146 वर्ष: 31 संख्या: 100 प्रभात उदयपुर, सोमवार 12 फरवरी, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

आर.पी.एन. सिंह को यू.पी. से राज्यसभा भेजेगी भाजपा

नयी दिल्ली, 11 फरवरी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य सभा के आगामी द्विवार्षिक चुनावों के लिए सात राज्यों की 14 सीटों पर अपने उम्मीदवार रविवार को घोषित कर दिए। भाजपा के महासचिव अरुण सिंह ने आज यहां एक विज्ञप्ति में बताया कि, पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़,

- भाजपा ने सात राज्यों की 14 राज्यसभा सीटों के प्रत्याशियों की घोषणा करते हुए यह जानकारी दी।

कर्नाटक एवं उत्तराखंड के लिए 14 उम्मीदवारों के नाम तय किए हैं।

बिहार की दो सीटों के लिए धर्मशीला गुप्ता एवं डॉ. भीम सिंह, छत्तीसगढ़ से राजा देवेन्द्र प्रताप सिंह, हरियाणा से सुभाष बराला, उत्तराखंड से

(शेष पृष्ठ 6 पर)

जद(यू) के चार विधायकों पर संशय गहराया

पटना, 11 फरवरी। बिहार में 12 फरवरी को होने वाले फ्लोर टेस्ट से पहले सियासी हलचल शुरू हो गई है। 11 फरवरी को जद (यू) ने एक मीटिंग बुलाई थी, जिसमें पार्टी के विधायक शामिल हुए थे। लेकिन इस मीटिंग में जद (यू) के 4 विधायक नहीं पहुंचे और उनका मोबाइल भी बंद आ रहा है।

- फ्लोर टैस्ट से पहले हुई बैठक में ये चारों विधायक नहीं आए, इनके सैलफोन भी बंद हैं।
- ये चार विधायक हैं- बीमा भारती, सुदर्शन, डॉ. संजीव और दिलीप राय।
- जद (यू) के मंत्री विजय चौधरी के आवास पर हुई बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मौजूद थे।

दरअसल जद (यू) के मंत्री विजय चौधरी के आवास पर जद (यू) विधायकों की मीटिंग हो रही थी। इस मीटिंग में जद (यू) के 4 विधायक, बीमा भारती, सुदर्शन, डॉ संजीव और दिलीप राय नहीं पहुंचे। ये सभी विधायक 10 फरवरी को श्रवण कुमार के आवास पर हुए भोज में भी नहीं पहुंचे थे। चौंकाने वाली बात यह है कि, इन चारों विधायकों के मोबाइल भी स्विच ऑफ जा रहे हैं। जद (यू) की इस मीटिंग में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मौजूद थे।

बताया जा रहा है कि, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के विधानमंडल दल की बैठक भी आज पूर्व मुख्यमंत्री मांझी के आवास पर चल रही है। इस मीटिंग में पार्टी के सभी 4 विधायक मौजूद हैं। जीतन राम मांझी का दावा है कि, हम 128 से ज्यादा का आंकड़ा पार करेंगे।

बिहार के सियासी घटनाक्रम पर भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद का बयान भी सामने आया है। उन्होंने बिहार में फ्लोर टेस्ट को लेकर कहा कि, हमें कोई डर नहीं है, सिर्फ दो दिन की बात है। उनके (तेजस्वी) घर में लोग क्यों बंद हैं? पूर्व उप मुख्यमंत्री के घर में विधायक क्यों बंद हैं?

हल्द्वानी में 25 दंगाई गिरफ्तार

नैनीताल, 11 फरवरी। उत्तराखंड के हल्द्वानी में आगजनी और दंगा भड़काने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से थाना से लूटी गयी गोलियां समेत कई हथियार भी बरामद किए हैं।

इस कांड का मुख्य आरोपी अभी फरार है।

- गिरफ्तार दंगाइयों से थाने से लूटे गए हथियार व गोलियां बरामद हुई हैं। मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक अभी भी फरार है।

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में असला भी बरामद हुआ है। अभी तक कुल 30 दंगाइयों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पीएस मीणा के अनुसार इस मामले में पुलिस की कई टीमें काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि, पूरे प्रकरण में अभी तक तीन

(शेष पृष्ठ 6 पर)

'चुनाव आयोग ने हमारी पार्टी दूसरों को दे दी'

वरिष्ठ नेता शरद पवार ने कहा, चुनाव आयोग ने उन लोगों से एन.सी.पी. छीन ली, जिन्होंने इसे बनाया

पुणे, 11 फरवरी। वरिष्ठ नेता शरद पवार ने रविवार को कहा कि, अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) का नाम और चुनाव चिह्न आवंटित किए जाने का निर्वाचन आयोग का फैसला "हैरान करने वाला है, शरद पवार ने यह भी कहा कि, निर्वाचन आयोग ने उन लोगों के हाथों से पार्टी छीन ली जिन्होंने इसे बनाया और आयोग ने इसे दूसरों को दे दिया।

- पवार ने कहा, देश में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ, हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।
- पवार ने बारामती से चुनाव लड़ने से इंकार किया और कहा कि, बारामती के लोग सीधे व सरल हैं, वे सही निर्णय लेंगे।

शरद पवार ने कहा कि, लोगों के लिए कार्यक्रम और विचारधारा अहम है जबकि किसी चुनाव चिह्न की उपयोगिता एक सीमित समय के लिए होती है। उन्होंने कहा, "मुझे भरोसा है कि, लोग निर्वाचन आयोग के फैसले का समर्थन नहीं करेंगे। इसके खिलाफ हमने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

शरद पवार ने कहा कि, निर्वाचन आयोग ने न केवल हमारा चुनाव चिह्न छीना, बल्कि हमारी पार्टी भी दूसरों को दे दी। ज्ञातव्य है कि, शरद पवार ने एन.सी.सी. की स्थापना 1999 में की थी।

शरद पवार ने दावा किया कि, भाजपा के सत्ता में आने के बाद से उसके किसी भी नेता को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ा है। ज्ञातव्य है कि, निर्वाचन आयोग ने हाल ही में उनके भतीजे अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को "मूल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.)" के रूप में मान्यता दे दी है और पार्टी का चुनाव चिह्न "घड़ी" भी उसे आवंटित कर दिया है। इस पर शरद पवार ने कहा कि, देश में ऐसी स्थिति कभी नहीं देखी गई है और लोग ऐसे फैसले का समर्थन नहीं करेंगे।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

13 फरवरी को किसानों का "दिल्ली कूच"

सिरसा, 11 फरवरी। केंद्र सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लागू न करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर किसानों के 13 फरवरी को "दिल्ली कूच" को लेकर हरियाणा पुलिस अलर्ट मोड पर है।

- किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग-69, सिरसा-चंडीगढ़ स्टेट हाइवे तथा विभिन्न सम्पर्क मार्गों पर बड़े-बड़े पत्थर डाल दिए हैं और कीलें बिखेर दी हैं।
- हरियाणा के सिरसा सहित 7 जिलों में इन्टरनैट सेवा बंद करने के साथ धारा 144 लगा दी गई है।

सिरसा व सरहद के पंजाब व राजस्थान राज्यों से किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग 09, सिरसा-चंडीगढ़ स्टेट हाई वे सहित विभिन्न संपर्क मार्गों पर बडे - बडे पत्थर रख दिए हैं व कीलें गाड दी हैं, जिससे इन क्षेत्रों का दिल्ली व चंडीगढ़ से संपर्क टूट गया है। इसके अलावा सिरसा सहित प्रदेश के सात जिलों में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है, जिससे आम जनमानस परेशान है। सिरसा जिले में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है।

शनिवार बाद दोपहर से हरियाणा से चंडीगढ़ व पंजाब जाने वाली राज्य परिवहन व अन्य बसें का आवागमन बंद है। रास्ते इस कदर बंद किए गए हैं कि, किसी आपात स्थिति में एम्बुलेंस वाहन भी नहीं गुजर पाएगा।

सिरसा चंडीगढ़ स्टेट हाइवे पर हरियाणा पंजाब सरहद पर गांव मुसाहिबवाला के पास सड़क को खोद दिया है और भारी भारी पत्थर लगा दिए हैं। यहां हरियाणा पुलिस व केंद्रीय सुरक्षा बल के जवानों की तैनाती की गई है। पुलिस उपाधीक्षक सुभाष चन्द्र व सिरसा सदर थाना प्रभारी सुखदेव सिंह की अगुवाई में तैनात जवानों ने आवागमन पूर्ण रूप से रोक दिया है।

इसके कारण हरियाणा-पंजाब से सड़क सम्पर्क टूट गया है। इसी तरह सिरसा-डबवाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर गांव खैरेका के पास सड़क पर कीलें गाडकर और बड़े पत्थर लगाकर मार्ग को रोक दिया गया है। इसी तरह डबवाली, रोड़ी, कालांवाली के पास पंजाब जाने वाले रास्तों को अवरूद्ध किया गया है। जिला पुलिस ने एक एडवाइजरी जारी कर पड़ोसी राज्य राजस्थान व अन्य स्थानों से दिल्ली, पंजाब व चंडीगढ़ जाने वाले वाहनों के सिरसा जिले के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी है। मार्ग अवरूद्ध होने से राजस्थान से पंजाब व चंडीगढ़ जाने वाले भारी वाहन सड़क किनारे होटल व ढ ाबों पर खड़े हो गए हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ममता सिंह को सिरसा जिले में कानून और व्यवस्था के लिए विशेष तौर पर तैनात किया गया है। ममता सिंह व सिरसा के पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने हरियाणा-पंजाब की सरहद पर किए गए बंदोबस्त का जायजा लिया। रविवार सुबह से ही अगले तीन दिन के लिए इंटरनेट सेवा ठप्प कर दी गई है। जिले में धारा 144 लगा दी गई है। विभिन्न किसान जथेबंदियो के पदाधिकारियों की गतिविधियों पर प्रशासन व पुलिस की पैनी नज़र है।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

'किसानों की राह में कांटे बिछाना अमृत काल है या अन्याय काल'

नई दिल्ली, 11 फरवरी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने किसानों के प्रस्तावित, दिल्ली चलो मार्च से पहले राष्ट्रीय राजधानी की सीमा के पास कुछ स्थानों पर अवरोधक और सड़कों पर कीलें लगाने की खबरों को लेकर रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा।

- प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा और कहा, यह कैसी सरकार का लक्षण है
- प्रियंका ने एक्स पर सड़कों पर बिछाई गई कीलों व अवरोधकों का वीडियो भी शेयर किया।

कांग्रेस महासचिव ने, किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोकने के लिए सड़कों पर बिछाई गई कीलें और सड़क पर लगे अवरोधकों का एक वीडियो सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा करते हुए सवाल किया कि, किसानों के साथ इस तरह का व्यवहार क्यों किया

(शेष पृष्ठ 6 पर)

सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता और दो अधिशाषी अभियंता निलंबित

अलवर में 10 करोड़ रुपये की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करवाने के मामले में गाज गिरी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 11 फरवरी। सार्वजनिक निर्माण विभाग (पी.डब्ल्यू.डी.) वृत अलवर के अधीक्षण अभियंता संगीत कुमार और अधिशाषी अभियंता राजेश जैन व श्रीराम मीणा को निलंबित कर दिया गया है।

- इन तीनों अधिकारियों को निलंबन काल के दौरान मुख्य अभियंता व अतिरिक्त सचिव जयपुर के पास लगाया गया है, ताकि जांच प्रभावित नहीं कर सकें।

यह कार्रवाई अलवर में 10 करोड़ रुपये की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के मामले में हुई है। संयुक्त शासन सचिव निशा मीणा ने निलंबन के आदेश किए हैं। इन तीनों अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच चल रही है, इसलिए निलंबन काल के दौरान इनका मुख्यालय, मुख्य अभियंता व अतिरिक्त सचिव जयपुर के पास किया गया है, ताकि कोई भी जांच को प्रभावित नहीं कर सके।

सूत्रों की मानें तो पिछले दिनों अलवर में सार्वजनिक निर्माण विभाग की 0.217 हैक्टेयर सरकारी जमीन पी.डब्ल्यू.डी. अधिकारियों की सांठ-गांठ से हड़पने का मामला सामने आया था।

यह मामला जैसे ही उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के संज्ञान में लाया गया तो उन्होंने मामले की विस्तृत जांच करने और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

तथ्यों के मुताबिक, 6 सितंबर 2023 को विद्युत खंड अलवर के अधिशाषी अभियंता ने अपने कार्यालय को अधीक्षण अभियंता कार्यालय में स्थानांतरित करने के लिए पत्र लिखा, जो कि सार्वजनिक निर्माण विभाग की 0.217 हैक्टेयर भूमि पर स्थित है। हैरानी की बात यह है कि 12 सितंबर को ही कार्यालय स्थानांतरित करने के आदेश भी प्राप्त हो गए, जबकि नियमानुसार कार्यालय स्थानांतरण के लिए, प्रशासनिक विभाग से सक्षम स्वीकृति ली जानी थी।

तथ्यों से स्पष्ट होता है कि, जिस पर इस भूमि से कार्यालय शिफ्ट करने के लिए पत्र लिखा गया था और उसकी स्वीकृति मिली थी, उसके तुरंत बाद ही पी.डब्ल्यू.डी. की इस बेशकीमती जमीन पर निजी व्यक्ति का कब्जा होने की जानकारी मिली। यह घटनाक्रम बेहद संदिग्ध था और इसके लिए अलवर के अधीक्षण अभियंता कार्यालय के अधिकारी व जवाबदेही बताई जा रही थी।

गाज़ा पर इज़रायली बमबारी, 25 की मौत

गाज़ा, 11 फरवरी। दक्षिणी गाज़ा पट्टी के शहर राफा में रविवार को एक घर पर हुए इज़रायली बमबारी में कम से कम 25 फिलिस्तीनी मारे गए।

अधिकारिक फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए ने आज यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि, बमबारी के समय कई विस्थापित लोग घर में रह रहे थे जिनमें से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गयी।

योगी ने अपनी पूरी कैबिनेट के साथ रामलला के दर्शन किए

अयोध्या, 11 फरवरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उनके मंत्रिमण्डल एवं राजग गठबंधन सहयोगियों ने आज श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला का दर्शन-पूजन किया।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने अपनी पूरी कैबिनेट एवं विधायकों एवं राजग गठबंधन के साथ श्रीरामजन्मभूमि में विराजमान रामलला का दर्शन-पूजन किया। यह पहला मौका है जब पूरी योगी कैबिनेट ने रामलला के दर्शन किए हैं। इस अवसर पर श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय ने मंत्रिमण्डल के मंत्रियों और विधायकों को पूरे मंदिर का भ्रमण कराया। उत्तर प्रदेश में पहली बार मंत्रिमण्डल द्वारा श्रीरामलला का दर्शन-पूजन हुआ है। विधान मण्डल के दोनों सदन, विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना और विधानसभा के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह के नेतृत्व में विधानसभा के और विधान परिषद के सदस्यों ने पार्टी लाइन से हटकर रामलला का दर्शन पूजन किया। दर्शन के बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने पत्रकारों से कहा "मैं बहुत भावुक हूं, क्योंकि मैं जब इस स्थान पर आया था तो यहां एक ढ ांचा खड़ा था, जो छह दिसम्बर 1992 को हमारे सामने टूटा था। मैं उस समय यहां पर आया था, जब 1990 में यहां गोली चली थी। जिस समय चबूतरे का निर्माण हुआ था, वह भी मुझे याद है और आज सौभाग्य की बात है कि, भगवान के प्रत्यक्ष रूप से दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

'घर-घर राशन देने की हमारी योजना रोक दी केन्द्र ने'

नयी दिल्ली, 11 फरवरी। लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर सभी पार्टियां अपनी-अपनी राजनीतिक तैयारियों में जुटी हुई हैं। एन.डी.ए. गठबंधन के घटक दल हों या फिर इंडिया गठबंधन के घटक दल, सभी एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं और अपने काम को दिखाकर लोकसभा चुनाव में जनता से वोट देने की अपील कर रहे हैं। इसी बीच, दिल्ली की मंत्री और आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने एक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि, जब दिल्ली में हमारी सरकार बनी तो हम घर-घर राशन योजना को शुरू करना चाहते थे। लेकिन केंद्र सरकार ने दिल्ली के उपराज्यपाल के माध्यम से इसके कियान्वन को रोक दिया। उन्होंने कहा, शनिवार को अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने इस योजना को पंजाब में लॉन्च किया। इस योजना का लाभ 17 लाख से अधिक लाभार्थियों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि, मैं दिल्ली के लोगों से अपील करती हूं कि, अगर आप चाहते हैं कि यह योजना दिल्ली में भी लागू की जाए, तो 2024 के लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को वोट दें। आतिशी ने दावा किया कि, इस योजना के तहत 70 लाख लोगों को घर पर ही राशन मिलेगा। आतिशी ने कहा कि, दिल्ली और पूरे देश में जो गरीब वर्ग के लोग हैं, सरकार उनको राशन देने के लिए एक पूरी व्यवस्था बनाती है।

अमित शाह कर्नाटक पहुंचे

बेंगलुरु, 11 फरवरी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कर्नाटक के पार्टी नेताओं के साथ मिलकर आम चुनावों के लिए रणनीति तैयार करने के लिए यहां पहुंच गये हैं।

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने रविवार को कहा कि, शाह राज्य के पार्टी नेताओं के साथ आम चुनावों के लिए रणनीति तैयार करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बैठक, में इस साल लोकसभा चुनाव से पहले जमीनी स्तर पर भाजपा और उसके सहयोगी जनता दल (सेक्यूलर) के बीच समन्वय से संबंधित मुद्दों पर विचार-

- लोकसभा चुनाव की रणनीति के संबंध में भाजपा एवं जनता दल (एस) के नेताओं के साथ चर्चा करेंगे।

विमर्श किया जायेगा। शाह स्थानीय नेताओं के साथ जद (एस) के साथ सीटों की साझीदारी पर भी चर्चा कर सकते हैं। कर्नाटक में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए दोनों पार्टियों ने गठबंधन किया है। कर्नाटक भाजपा कोर कमेटी के सदस्यों और भाजपा के मैसूर क्लस्टर के नेताओं के साथ बैठक में हिस्सा लेने के लिए आज सुबह शाह मैसूरु पहुंचे।

गौरतलब है कि, पिछले आम चुनावों में भाजपा ने राज्य की कुल 28 लोकसभा सीटों में से 25 पर जीत हासिल की थी, जिसमें मांड्या से पार्टी

(शेष पृष्ठ 6 पर)

पाकिस्तान में कोई नहीं जानता किसकी होगी नई सरकार

खंडित जनादेश के बाद सभी दलों ने गठबंधन बनाने के प्रयास तेज कर दिए हैं

इस्लामाबाद, 11 फरवरी। पाकिस्तान के आम चुनाव में खंडित जनादेश सामने आने के बाद राजनीतिक दलों ने रविवार को गठबंधन सरकार के गठन के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने रविवार को आम चुनाव के अंतिम परिणाम घोषित किए, जिसमें जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने 101 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं, तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज़ (पीएमएल-एन) 75 सीट जीतकर तकनीकी रूप से संसद में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

बिलावल जरदारी भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) को 54 सीट मिलीं हैं, जबकि विभाजन के दौरान भारत से आए उर्दू भाषी लोगों की मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) को 17 सीट मिली हैं। बाकी 12 सीटों पर अन्य छोटे दलों ने जीत हासिल की है।

- कुल 265 सीटों पर चुनाव हुआ था तथा 264 के नतीजे घोषित हुए हैं। इमरान खान की पार्टी, पाकिस्तान तहरीके इंसाफ के समर्थन से 101 निर्दलीय जीते हैं, पर, तकनीकी रूप से 75 सीट जीत कर पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ की पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।
- दूसरे स्थान पर भुट्टो परिवार की पार्टी, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी है जिसने 54 सीटें जीती हैं। तीसरे स्थान पर है एम.क्यू.एम.पी. जिसने 17 सीटें जीती हैं।
- नवाज़ की पार्टी, जिसे सेना का समर्थन प्राप्त है, सभी दलों व निर्दलीयों के साथ वार्ता कर रही है ताकि इमरान की पार्टी को सत्ता में आने से रोका जा सके।

पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने, जिन 265 सीटों पर चुनाव हुआ था उनमें से 264 सीटों के नतीजे घोषित कर दिए हैं। चुनाव नतीजों की घोषणा में असामान्य देरी के कारण कई दलों ने देश भर में हंगामा और विरोध-प्रदर्शन किया। पंजाब प्रांत के खुशाब में एनए-88 सीट पर परिणाम चुनाव आयोग ने धोखाधड़ी की शिकायतों के कारण रोक दिया था और पीड़ितों की शिकायतों के निवारण के बाद इसकी घोषणा की जाएगी।

एक उम्मीदवार की मृत्यु के बाद एक सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया गया था। निर्दलीय उम्मीदवारों ने नेशनल असेंबली में 101 सीटें हासिल की हैं। इनमें से ज्यादातर खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) द्वारा समर्थित थे। सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी को 133 सीटों की जरूरत होगी। नवाज शरीफ ने शनिवार को पाकिस्तान को मौजूदा कठिनाइयों से बाहर निकालने के लिए गठबंधन सरकार बनाने का आह्वान किया। माना जाता है कि शरीफ को देश की शक्तिशाली सेना का समर्थन प्राप्त है।

पीएमएल-एन प्रमुख शरीफ ने अपने छोटे भाई एवं पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को अन्य दलों से बातचीत करने का जिम्मा सौंपा है, जिन्होंने पीपीपी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की है। एमक्यूएम-पी का एक प्रतिनिधिमंडल लाहौर में है और उसने शहबाज के साथ बैठक की। एमक्यूएम प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व डॉ.खालिद मकबूल सिद्दीकी कर रहे हैं। बैठक में शहबाज शरीफ, मरियम नवाज और पार्टी के अन्य नेता भी भाग ले रहे हैं।

शहबाज ने कहा, "बैठक में सरकार गठन को लेकर चर्चा होगी।" एमक्यूएम-पी नेता हैदर रिजवी ने एक साक्षात्कार में 'जियो न्यूज' को बताया है कि उनकी पार्टी पीएमएल-एन के साथ अधिक सहज होगी क्योंकि पीपीपी या अन्य पार्टियों के विपरीत "दोनों पार्टियों ने कराची में प्रतिस्पर्धा नहीं की है।"

इस बीच, 'पीटीआई' नेता गौहर खान ने भी दावा किया कि उनकी पार्टी सरकार बनाएगी। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि यह संभव नहीं है।

'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने 'पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ लेजिस्लेटिव डेवलपमेंट एंड ट्रांसपेरेंसी' (पीआईएलडीएटी) के प्रमुख अहमद बिलाल महबूब के हवाले से अपनी खबर में कहा कि 'पीटीआई' जाहिर तौर पर पीएमएल-एन या अन्य प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ गठबंधन किए बिना सरकार बनाने की स्थिति में नहीं है।